

TODO BANDISHEN

BREAK THE CHAINS





go high
spee
wit
air
dror

Available
किर
के लिए समय है को
पार्ट टाइम
32
39

Index

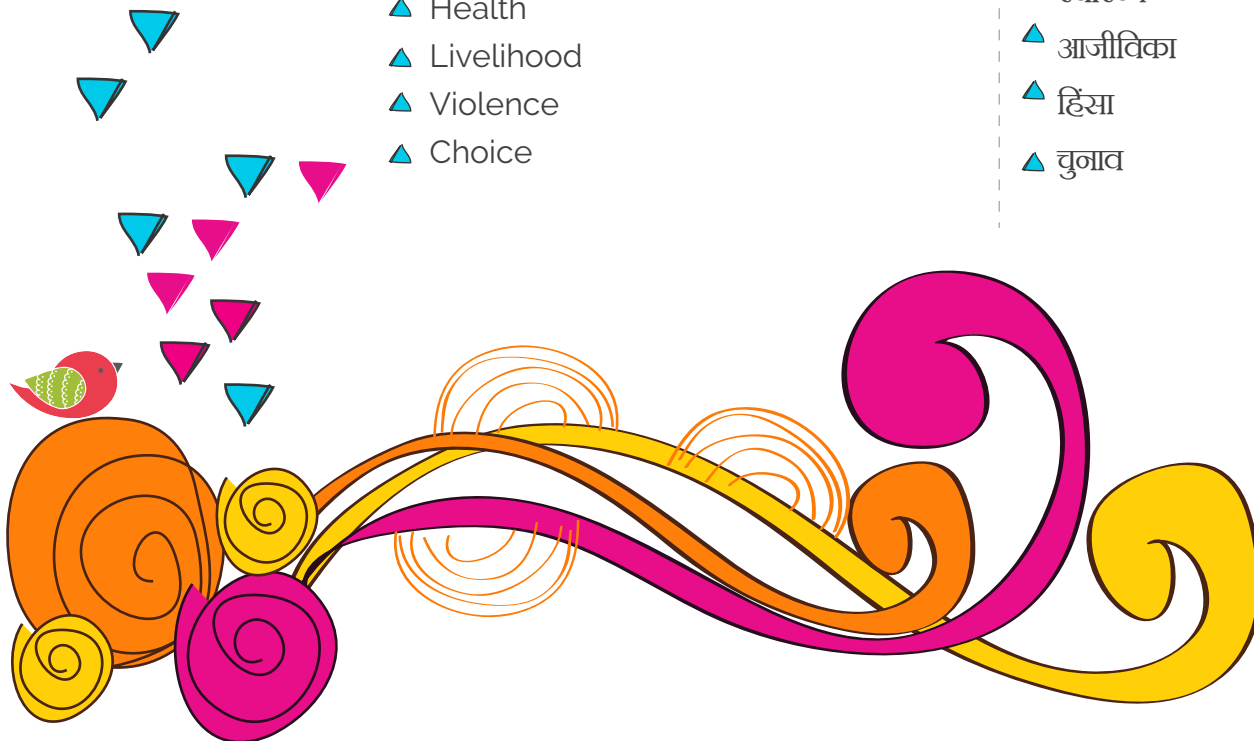
The various issues related to early and forced marriage have been grouped in these five categories:

- ▲ Education
- ▲ Health
- ▲ Livelihood
- ▲ Violence
- ▲ Choice

सूचकांक

जल्द और जबरन शादी से संबंधित विभिन्न मुद्दों को इन पांच श्रेणियों में बांटा गया है:

- ▲ शिक्षा
- ▲ स्वास्थ्य
- ▲ आजीविका
- ▲ हिंसा
- ▲ चुनाव






Todo Bandishen – Break the chains

From time to time, young women leaders emerging from FAT's programs run a collective campaign in their community. Todo Bandishen is the second campaign launched by FAT. It is a campaign against Early and Forced Marriage by 31 girls from low-income urban communities in South Delhi. The theme was chosen by the girls as a common issue that they face in their lives. FAT facilitated the participating girls with a series of workshops to develop conceptual clarity on issue of early and forced marriage. VOW Media - Asia, provided training in photography, filmmaking, and radio, so the girls learn how to use these tools as a medium to spread awareness about the issue in their communities, and fight against the pressure and consequences of getting married before they are ready. We collaborated with local experts to help the campaigners develop their campaign strategy and prepare various campaign tools like slogans, songs, theatre, etc..

The photography workshop has culminated in this collection of work; each girl, or a group of two created a photo-story on a topic of their choice.

For the radio show they chose to speak about societal pressures. In their radio show, "Kadam Badhao: Keep Walking" we listen to the girls talk about how they, or people around them, are pressurized by their family or neighbors to get married against their will.

Finally, the girls have produced a film, a play and song that we will showcase in various communities in Delhi and Bihar to raise awareness about the issue of early and forced marriage.






तोड़ो बंदिशे

समय-समय पर, फ़ैट से उभर कर युवा महिला अपने समुदाय में अभियान चलाती हैं। “तोड़ो बंदिशें” फ़ैट के सहयोग से शुरू किया गया दूसरा अभियान है। यह अभियान “जल्द और जबरन शादी के अंत के लिए” दक्षिण दिल्ली में कम आय वाले शहरी समुदायों से निकली ३१ लड़कियों की पहल है। यह विषय लड़कियों ने चुना क्योंकि वह अपने जीवन में ऐसी परेशानियों का सामना करती हैं। भाग लेने वाले लड़कियों को जल्द और जबरन शादी के मुद्दों पर वैचारिक स्पष्टता विकसित करने के लिए कई सारी कार्यशालाएँ करवाई गईं। उनको फोटोग्राफी, फिल्म मेकिंग, रेडियो, थियेटर आदि में प्रशिक्षण दिया गया। वे अपने समुदायों में इस मुद्दे के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इन उपकरणों को माध्यम के रूप में उपयोग करेंगे जिससे वो जल्द और जबरन शादी के परिणामों के खिलाफ लड़ सकें।

फोटोग्राफी कार्यशाला का काम इस संग्रह में समापन हुआ है। हर लड़की, या दो का समूह, ने एक विषय का चुनाव करके उस पर तस्वीर-कहानी बनाई है।

रेडियो शो के लिए उन्होंने सामाजिक दबाव के बारे में बात करी है। रेडियो शो “कदम बढ़ाओ” में हम सुनेंगे लड़कियों को अपने, या अपने आस पास के लोगों के बारे में बात करते हुए, जिनके ऊपर उनकी मर्जी के खिलाफ शादी करने के लिए उनके परिवार या पड़ोसियों द्वारा दबाव डाला जाता है।

अंत में, लड़कियों ने जल्द और जबरन शादी के मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक फिल्म, नाटक और गीत तैयार किया है, जो वह दिल्ली और बिहार में विभिन्न समुदायों में प्रदर्शन करेंगे।





LUMIX DC VARIO
14.1 11.1 7.7 5.9 4.2-20.0 ASPH. 4X OPTICAL ZOOM
NEGATIVE IMAGE

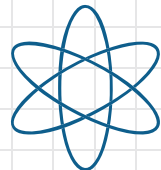
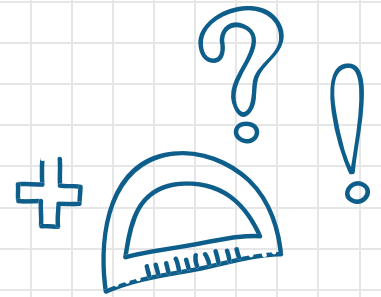

Cal
e
lizer

TELLING STORIES WITH PHOTOS



Education

शिक्षा







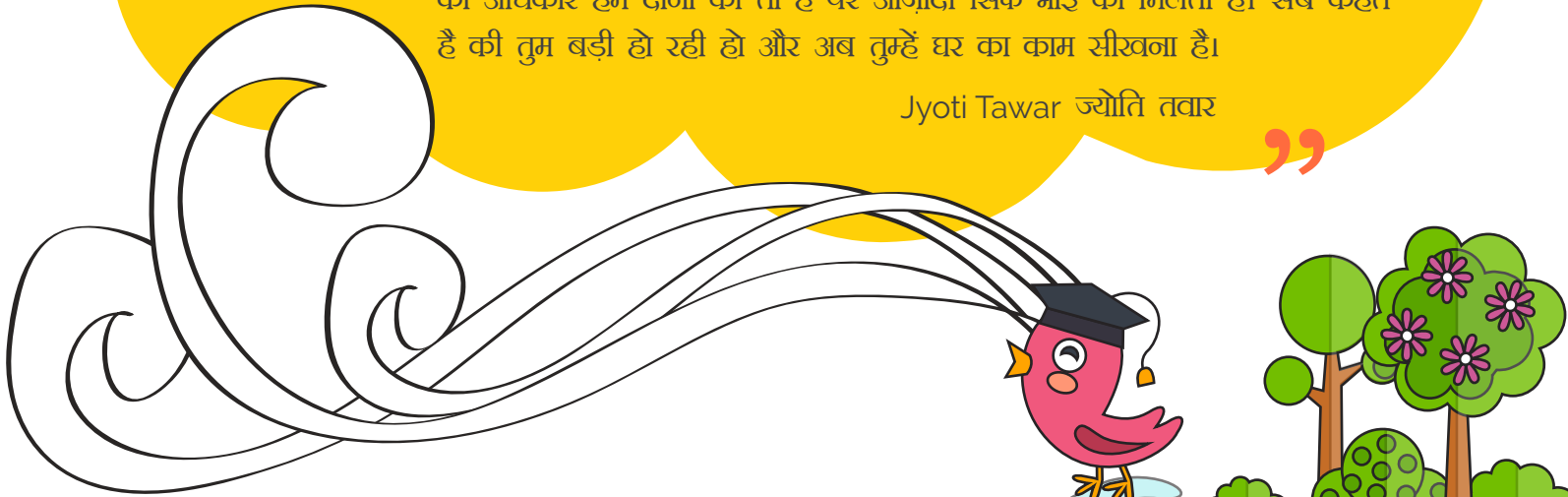
“

I have the freedom to study, but not play. I come back from school and start doing the housework, and my brother goes out to play. We both have an equal right to education, but only my brother is given any freedom. Everyone says that I am older now, and I should learn how to do the housework.

मुझे पढ़ने की आज़ादी है पर खेलने की आज़ादी नहीं। मैं स्कूल से आकर घर का काम करती हूँ, और मेरा भाई स्कूल से आने के बाद खेलने जाता है। शिक्षा का अधिकार हम दोनों को तो है पर आज़ादी सिर्फ भाई को मिलती है। सब कहते हैं की तुम बड़ी हो रही हो और अब तुम्हें घर का काम सीखना है।

Jyoti Tawar ज्योति तवार

”









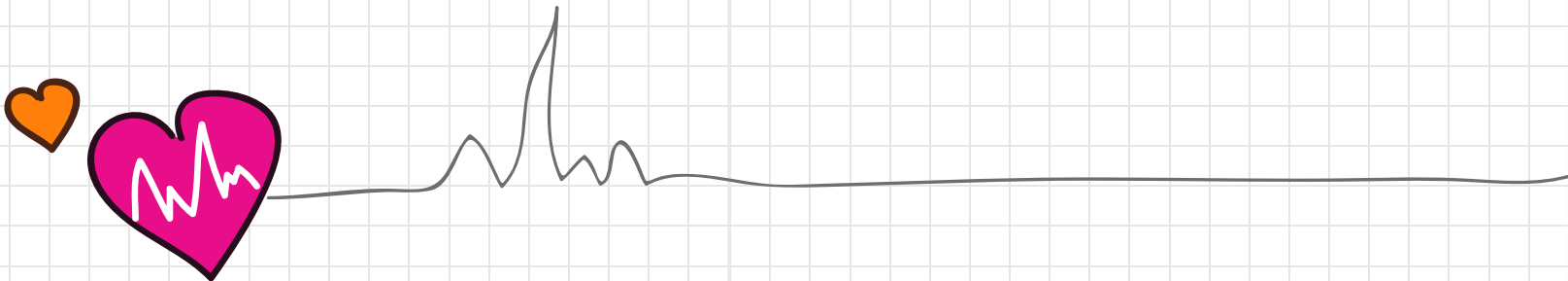


DO WE HAVE THE FREEDOM TO STUDY? TILL WHEN?

हमें पढ़ने की अनुमति है ? कब तक ?

Health

स्वास्थ्य

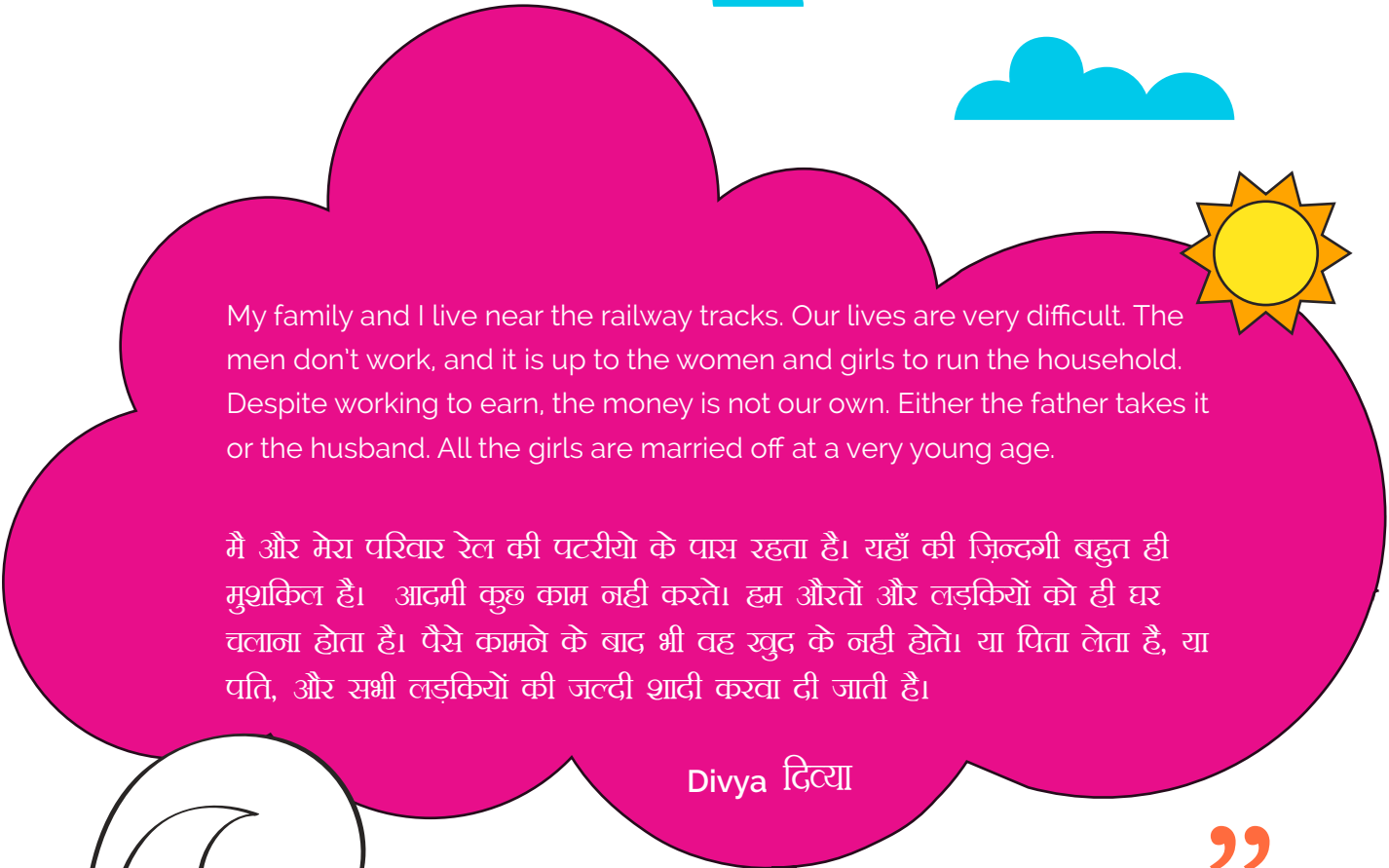




An early marriage can have many adverse affects on our health. Our body is not always ready for the changes after marriage, and we become weaker and weaker. Is this a good thing?

जल्द शादी होने के कारण हमारे स्वास्थ्य पर कई तरह के प्रभाव पड़ते हैं जिसके लिए हमारा शरीर तैयार नहीं होता। इस कारण कम उम्र में ही हमारा शरीर कमजोर हो जाता है। पर क्या यह सही है ?

Durga Vishwas दुर्गा विश्वास

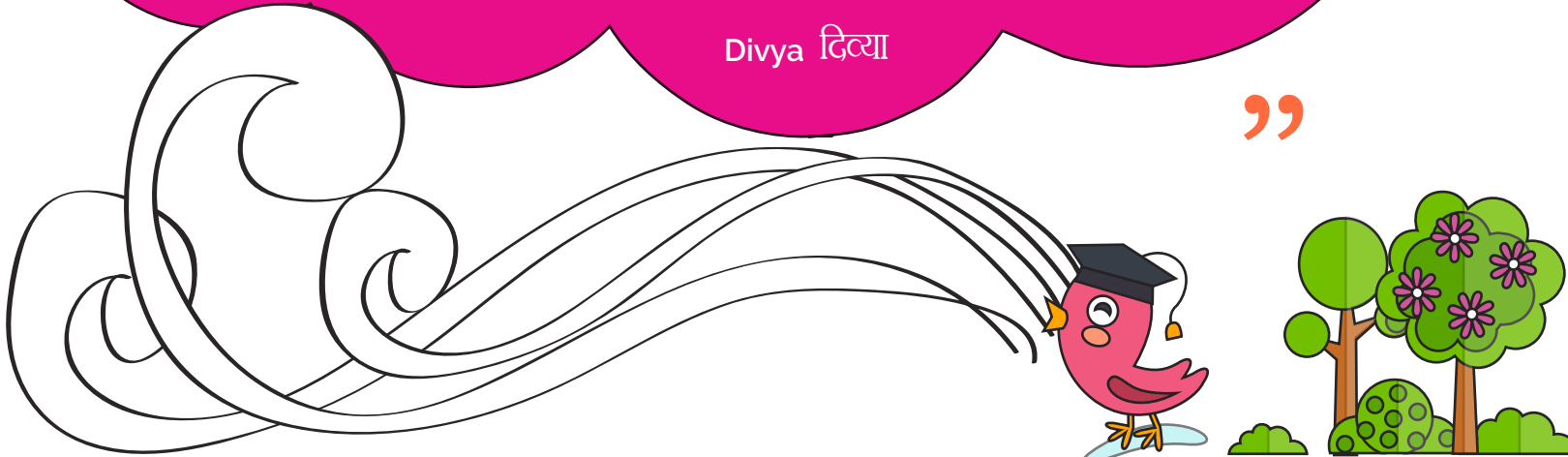


My family and I live near the railway tracks. Our lives are very difficult. The men don't work, and it is up to the women and girls to run the household. Despite working to earn, the money is not our own. Either the father takes it or the husband. All the girls are married off at a very young age.

मैं और मेरा परिवार रेल की पटरीयों के पास रहता है। यहाँ की ज़िन्दगी बहुत ही मुश्किल है। आदमी कुछ काम नहीं करते। हम औरतों और लड़कियों को ही घर चलाना होता है। पैसे कमाने के बाद भी वह खुद के नहीं होते। या पिता लेता है, या पति, और सभी लड़कियों की जल्दी शादी करवा दी जाती है।

Divya दिव्या

”









No matter what we do in life, we will always need our health. I take very good care of myself, and those around me. I keep reminding them to look after themselves.

जिंदगी में हम कुछ भी कर लें, सभी काम की शुरुआत एक अच्छे स्वास्थ्य से होती है। मैं अपना बहुत ध्यान रखती हूँ और अपने आस-पास की औरतों का भी, कोशिश करती हूँ कि वे खुद का ध्यान रखें।

Shivani शिवानी





Won't an early marriage affect my health?

क्या जल्द और जबरन शादी मेरे स्वास्थ्य पर
प्रभाव नहीं डालेगी ?



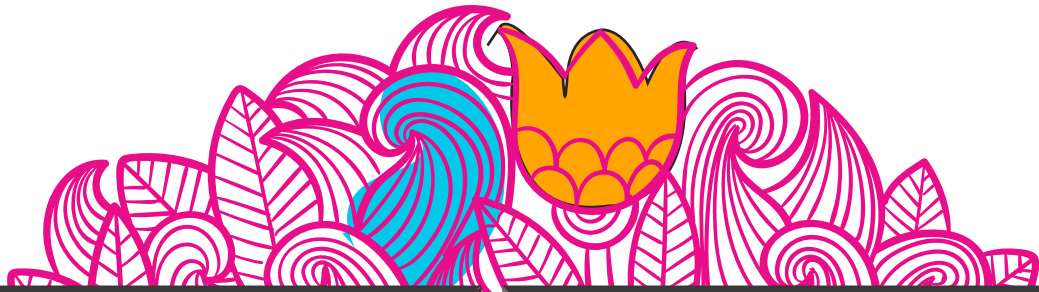


Livelihood

आजीविका







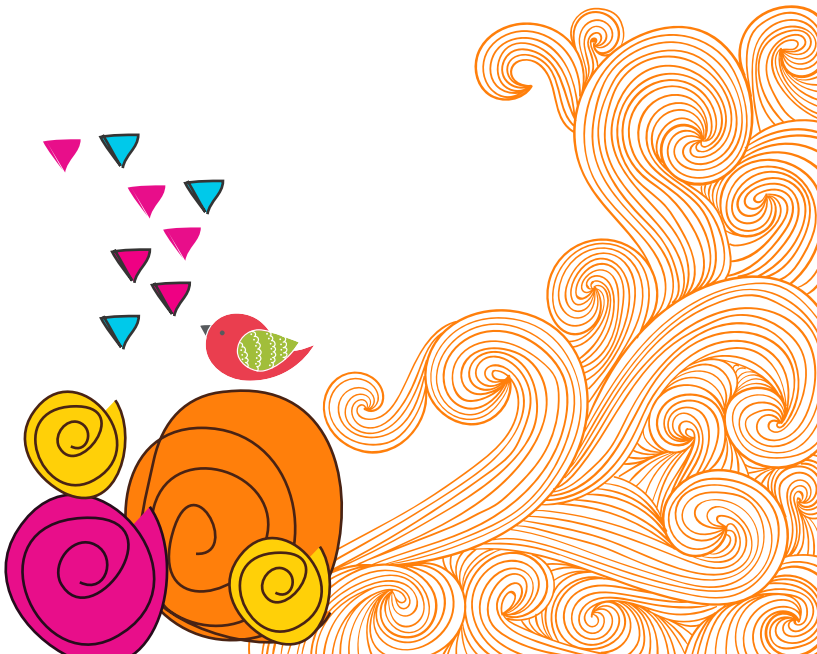


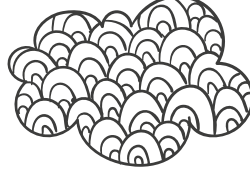
With time, we experience many changes in our lives. We grow up and are assigned many roles. They are different for boys and girls. I see a difference in the work my mother and father do. My father works outside, and my mother works in the house. Why?

वक्त के साथ साथ हमारे जीवन में भी बदलाव आता है। हम बड़े होते हैं, और भूमिकाएँ मिलती हैं। अगर लड़का है तो अलग काम, लड़की हो तो अलग काम। मुझे मेरे घर में पिता और माँ के काम में फर्क दिखता है। पिता बाहर काम करते हैं और माँ घर के अंदर। ऐसा क्यों?

Megha मेघा







Whether at home or outside, we are expected to do all the work ourselves. I wake up and start working on my chores. After school I look after my younger brother and sister. If I ever say no to any work I am asked - what will you do in the next house? What is the next house they keep referring to?

घर का काम हो या बहार का, हमे सभी काम करना होता है। सुबह उठ कर मैं घर के सभी काम करती हूँ। फिर स्कूल के बाद अपने छोटे भाई-बहनों का ध्यान रखती हूँ। अगर किसी भी काम को कभी मना करती हूँ, तो मुझे कहा जाता है कि अगले घर जाकर क्या करोगी। आखिर यह अगला घर है क्या?



Lakshmi Thapa लक्ष्मी थापा



Both men and women have to work from morning to evening. My question is, who does how much work, and what is the value of this work?

सुबह से शाम होती है। आदमी औरत दोनों काम करते हैं। पर मेरा सवाल है कि कौन कितना काम करता है? और किस के काम का मूल्य है?

Uma उमा





My sister stopped going to school after ninth class because she had a lot of work at home and didn't have time to study. Now my parents are thinking about getting her married because she does not have too many skills.

मेरी बहन ने अपनी पढ़ाई 9वीं कक्षा में ही छोड़ दी क्योंकि उसे घर का बहुत काम होता था और उसके पास समय नहीं होता था पढ़ाई के लिए। अब उसकी शादी के बारे में सोचा जा रहा है क्योंकि वह कुछ नहीं कर सकती।

Preeti Kumari प्रीति कुमारी

I have two sister-in-laws. They stay at home and do odd jobs like stitching, knitting, or beauty treatments for others. They are expected to do this work to earn money, and then take out time to complete all the household chores.

मेरे घर में दो भाभी हैं। वो घर में ही रहकर सिलाई-कढ़ाई, बुनाई और पार्लर का काम करती हैं। घर के सारे काम के साथ-साथ वह अपनी ज़िम्मेदारी तथा घर के खर्च चलाने के लिए समय निकालती हैं।

Jyoti ज्योति






I want to work, to grow, and achieve all my goals. I want to work and run the house. I want to be able to support my parents.

मुझे काम करना है, बढ़ना है, और उचाइयों को छूना है। नौकरी कर के अपना घर चलाना चाहती हूँ, (माता-पिता) का सहारा बनना चाहती हूँ।

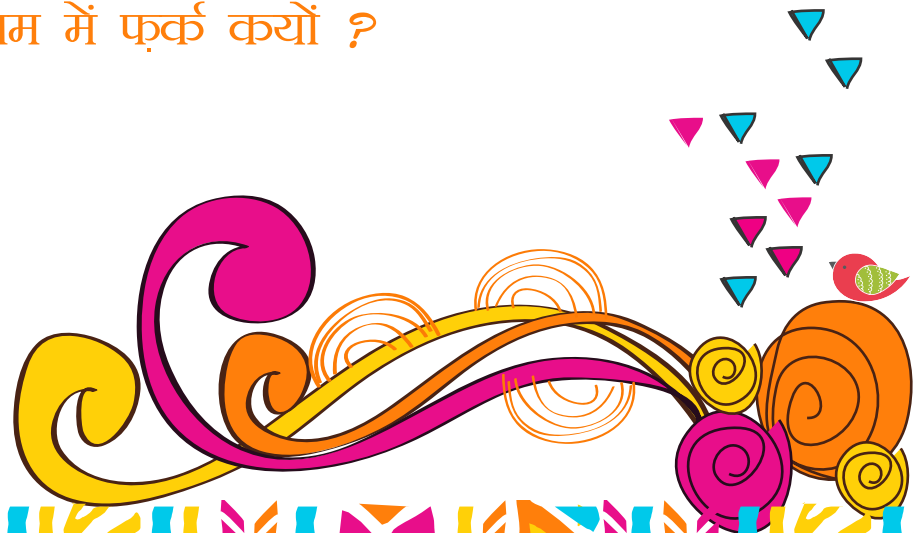
Suman सुमन





Why is there difference between a “man’s job” and a “woman’s job”?

एक आदमी और औरत के काम में फ़र्क कयों ?



Violence

हिंसा

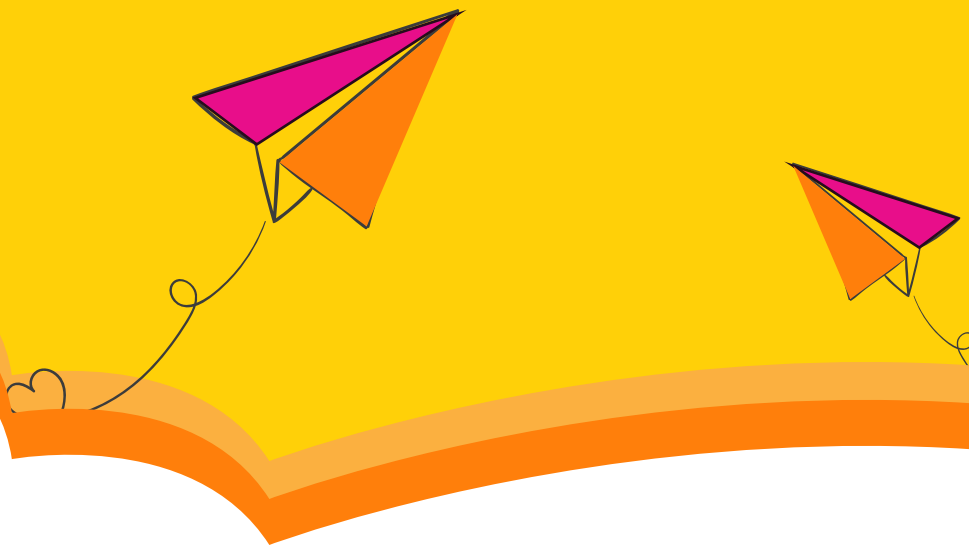




My mother got married at the age of 14, when she was in fifth class. She wanted to study further, but she was forced to get married. She doesn't want the same thing to happen to me.


मेरी माँ की शादी १४ साल में हो गई थी। वह ७वीं कक्षा तक ही पढ़ाई कर पाई थी। उनकी शिक्षा पूरी ना हो पाने के कारण उनकी शादी कर दी गयी थी। मेरी माँ पढ़ना चाहती थी पर वह नहीं पढ़ पाई, लेकिन जो उनके साथ हुआ वह मेरे साथ नहीं होने देगी।

Lalita Singh ललिता सिंह









Society has made our roles very clear. The difference in the work of men and women is visible since childhood.

क्या काम हमारा है और क्या पुरुषों का, यह हमें समाज बहुत अच्छे से सिखाता है। बचपन से काम में फर्क दिखता है।

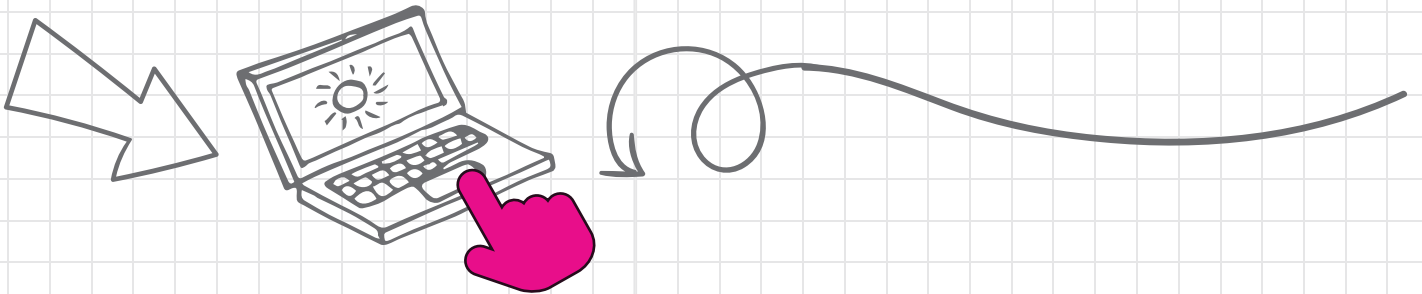
Simran सिमरन





Choice

चुनाव



“

There are many adolescents like me who are associated with FAT, who also came here to learn computer skills. After coming here I learnt about myself, and how I can raise my voice to demand my rights. Now I can speak for myself and my older sister against early and forced marriage.

मेरे जैसी बहुत सारी किशोरियाँ हैं जो फैट से जुड़ती हैं। मैं भी कम्प्यूटर सीखने के लिए ही आई थी। मैंने फैट आकर अपने आपको जाना, और अपने लिए आवाज उठाना सीखा। अब मैं खुद के लिए और अपनी बड़ी बहन के लिए आवाज उठा रही हूँ जल्द और जबरन शादी रोकने के लिए।

”

Poonam पूनम





“

Our needs change, our looks change, and people change. From childhood we reach adolescence. We understand ourselves and we understand others. Slowly, as we grow, we start telling people about our desires, but they stop listening to us... Why?

इच्छा बदलती है, रूप बदलता है, लोग बदलते हैं । हम बचपन से किशोरावस्था में आते हैं । अपने आप को और दूसरों को पहचानते हैं । पर धीरे - धीरे हम जब बोलने लगते हैं, अपनी इच्छा लोगों को बताते हैं, तो वे सुनना बंद कर देते हैं ... क्यों ?

Afsana अफसाना

”





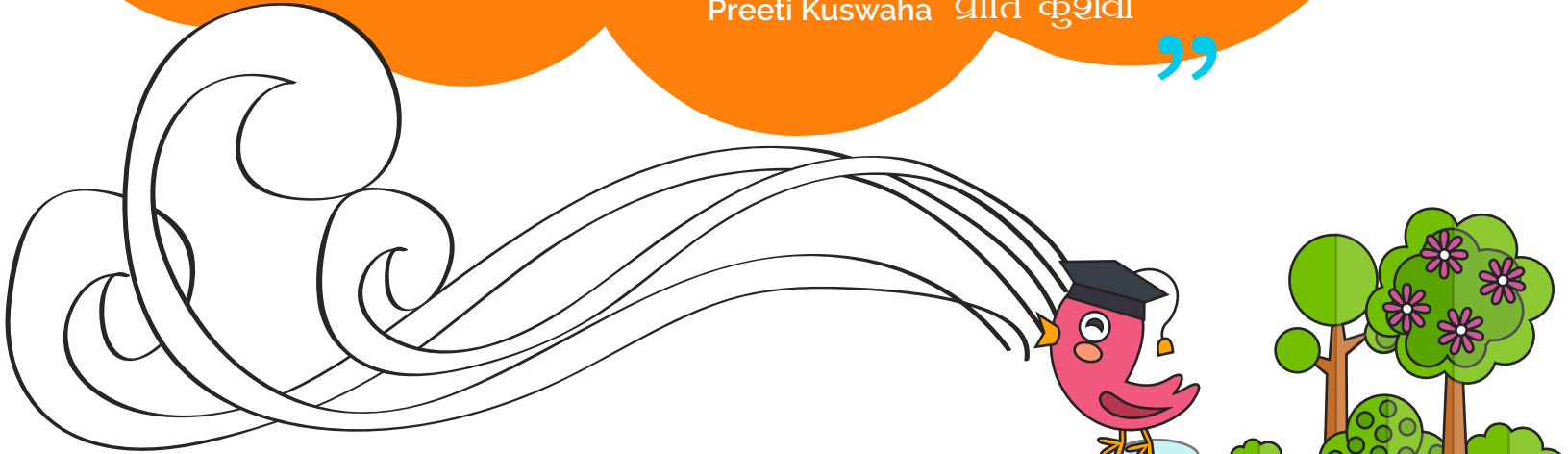
“

We all do a housework, but it has no value. My mother was given a lot of work and responsibilities before and after she got married. Now I have become a part of this work, and my younger sister is being prepared to help us so I can take on more responsibilities in the future.

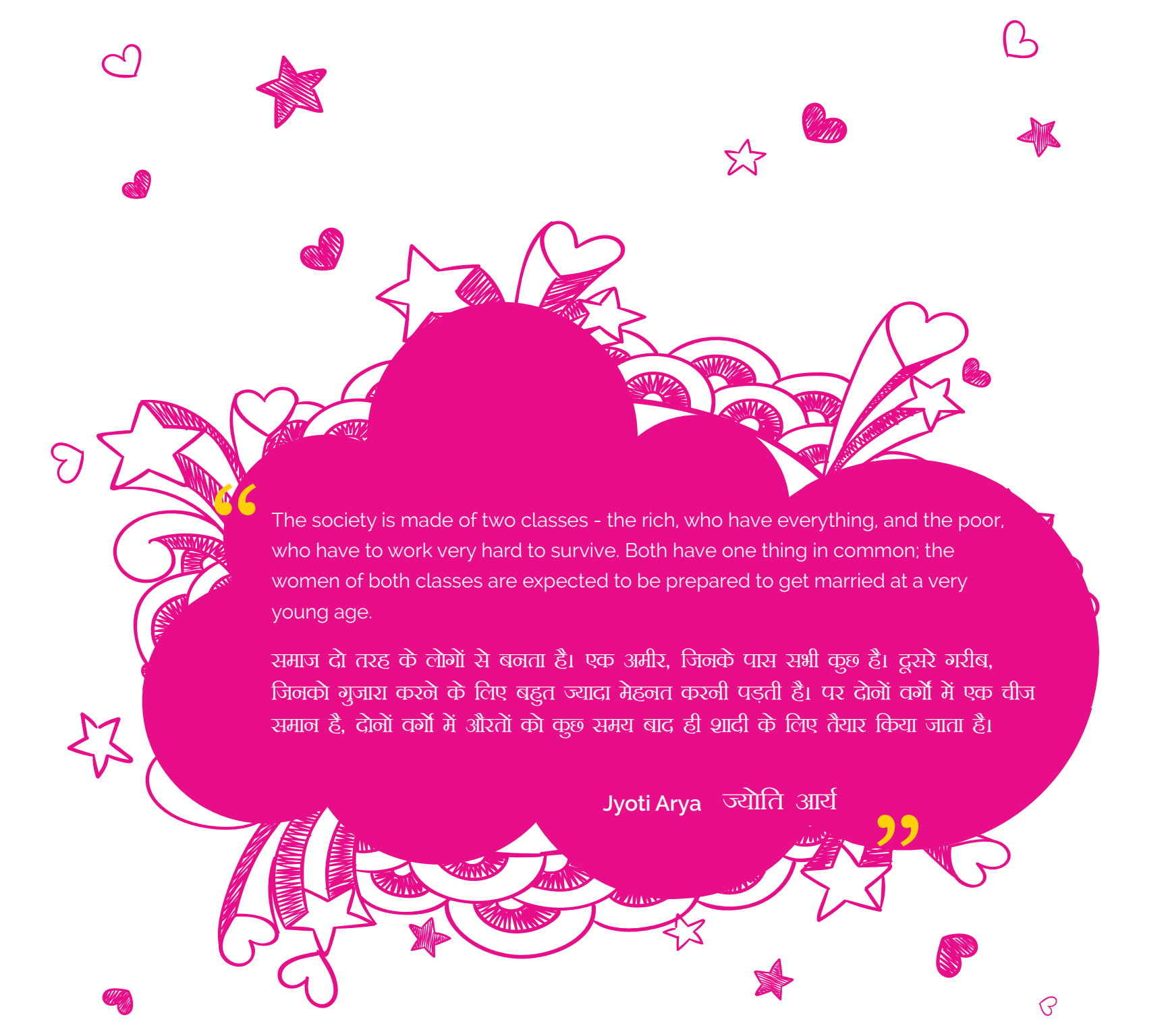
घरों के काम हम सभी करते हैं, पर इसका कोई मूल्य नहीं होता है। शादी से पहले और शादी के बाद मेरी माँ पर घर की बहुत सी जिम्मेदारियाँ डाल दी गईं। अब कहीं ना कहीं मैं भी इन कामों और जिम्मेदारियों का हिस्सा बन गई हूँ, और मेरी छोटी बहन को तैयार किया जा रहा है ताकि आने वाले समय में मैं अधिक जिम्मेदारियाँ संभाल सकूँ।

Preeti Kuswaha प्रीति कुशवा

”







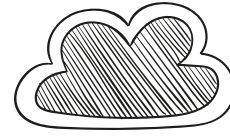
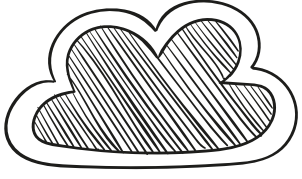
The society is made of two classes - the rich, who have everything, and the poor, who have to work very hard to survive. Both have one thing in common; the women of both classes are expected to be prepared to get married at a very young age.

समाज दो तरह के लोगों से बनता है। एक अमीर, जिनके पास सभी कुछ है। दूसरे गरीब, जिनको गुजारा करने के लिए बहुत ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। पर दोनों वर्गों में एक चीज समान है, दोनों वर्गों में औरतों को कुछ समय बाद ही शादी के लिए तैयार किया जाता है।

Jyoti Arya ज्योति आर्य







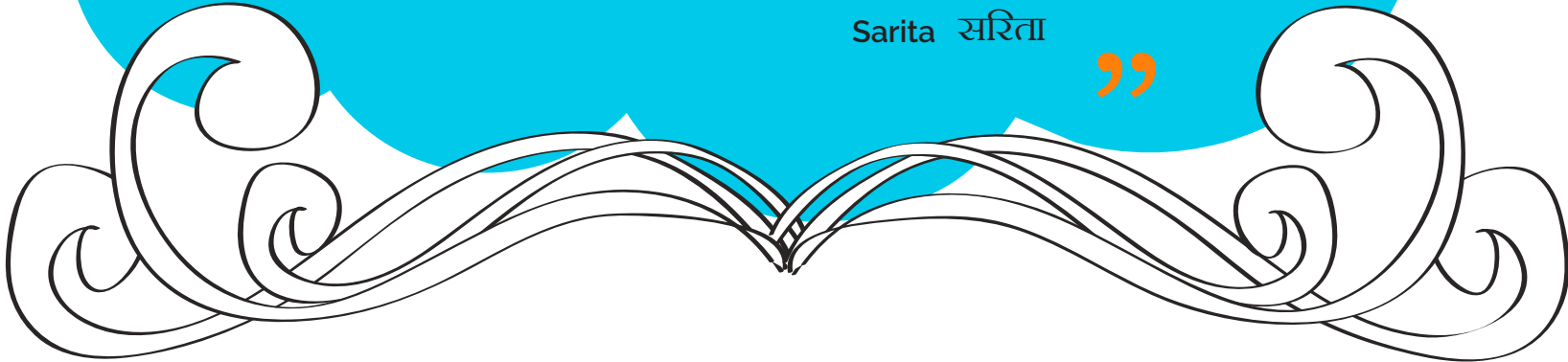
“

If anyone wants to do something different in society they are considered outsiders. Society thinks only a man can be the head of the household, and this lays the foundation for discrimination.

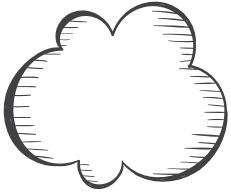
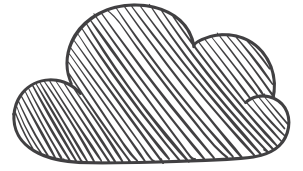
हमारे समाज में कभी कोई अपनी पहचान से अलग काम करता है तो उसे समाज से अलग समझा जाता है। एक आदमी ही घर चलाएगा, ऐसा समाज में माना जाता है और यह ही भेद-भाव की शुरुआत है।

Sarita सरिता

”







“

My friends and I love to play, but as girls grow older, we are not allowed to play. Our needs and wishes are often suppressed.

मुझे और मेरे दोस्तों को खेलना बहुत पसंद है, पर जब हम बड़े हो जाते हैं, लड़कियों का खेलना-कूदना बंद कर दिया जाता है। हमारी इच्छाओं को दबा दिया जाता है।

Lakshita लक्षिता

”





“

Whether I am a man or woman or transgender, my desires are my own. Society puts restrictions on our desires. This is visible when we are getting married.

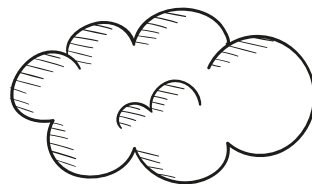
मैं आदमी हूँ या औरत या ट्रांस, मेरी इच्छा मेरी खुद की है। पर इन इच्छाओं पर हर बार समाज द्वारा रोक लगाई जाती है। यह शादी के मामले में हर बार देखा जाता है।

Summi सुम्मी

”







“

My mother got married at a very young age. Ever since she was a child, she has had a lot of responsibilities. My mother understands us, and does not want us to suffer the same fate .

मेरी माँ की शादी छोटी उम्र में हो गई थी। उनको बचपन से कई जिम्मेदारियाँ मिलीं। मेरी माँ मुझे बहुत समझती है चाहती है कि जो उनके साथ हुआ वह मेरे साथ ना हो।

Varsha वर्षा

”



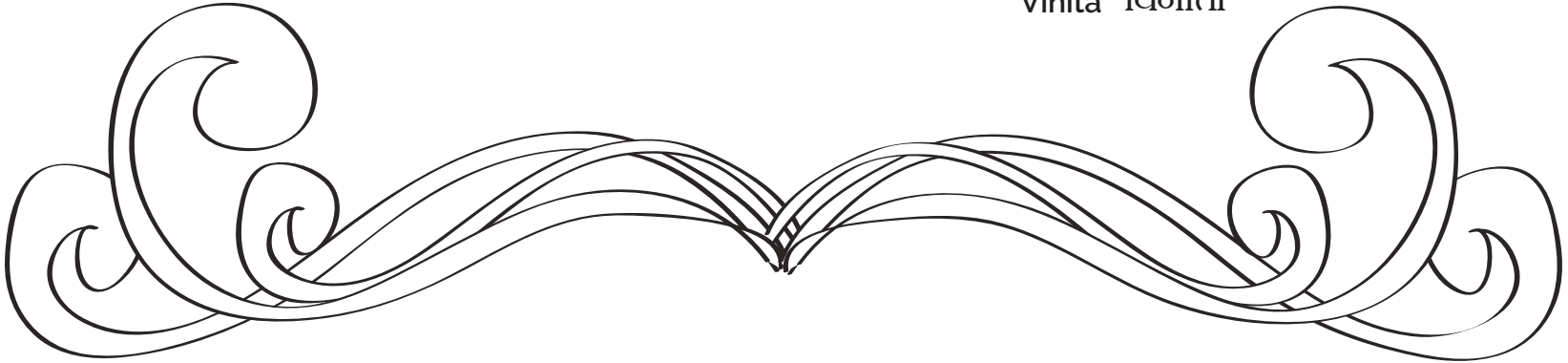




As children, we are free to do what we want. Slowly our body changes, and there are restrictions imposed on us. We are no longer free to choose what we want to do.

बचपन में वही चुनते हैं जो मन होता है। धीरे-धीरे शरीर में बदलाव आता है, चुनाव करने में पाबंदी लगा दी जाती है।

Vinita विनीता



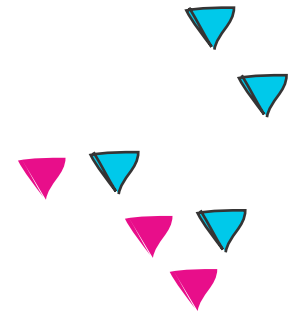




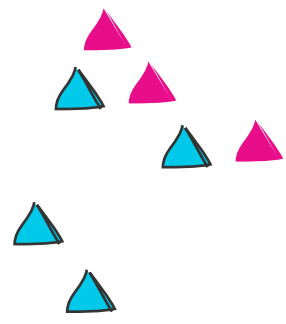
Are our choices our own?

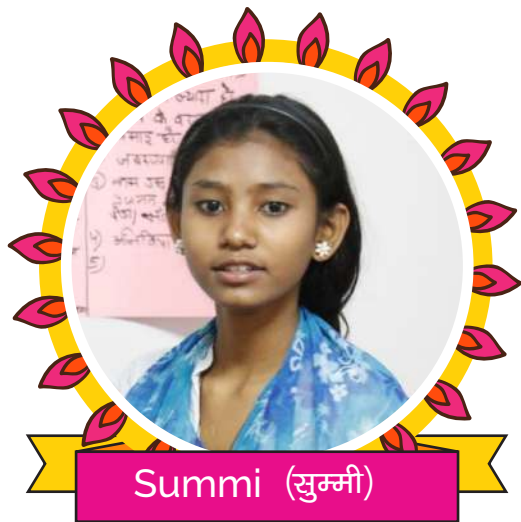
क्या हमारी इच्छाएँ हमारी हैं ?





Campaign Participants





I am very naughty, and I love my life.

मैं अपनी जिंदगी से बहुत प्यार करती हूँ। मैं बहुत शैतान हूँ।



I want all my dreams to come true.

मुझे अपने सारे सपने पूरे करने हैं।



I love helping others, and making them happy.

मुझे सबको खुश रखना और दूसरों की मदद करना अच्छा लगता है।



I want to live life on my own terms.

मैं अपनी जिंदगी अपनी मर्जी से जीना चाहती हूँ।



Jyoti (ज्योति)

I will make my own identity.
मैं अपनी पहचान खुद बनाउंगी।



Durga (दुर्गा)

I want to be on top of the world.
मैं दुनियाँ की ऊचाईयाँ छूना चाहती हूँ।



Komal (कोमल)

I'm not scared of talking to people anymore.
मैं अब हर किसी से बिना डरे बात कर लेती हूँ।



Megha (मेघा)

I want to live my life my way.
मैं अपनी इच्छा से जीना चाहती हूँ।



Varsha (वर्षा)

I want to change the way I think.
मैं अपनी सोच बदलना चाहती हूँ।



Vandana (वंदना)

I can fight like the boys now.
मैं अब लड़कों की तरह लड़ सकती हूँ।



Sarita (सरिता)

I listen to everyone, but do what I want.
मैं सबकी सुनती हूँ, पर मुझे जो अच्छा लगता है वो करती हूँ।



Jyoti (ज्योति)

I will take my own decisions.
मैं अपने फैसले खुद लूँगी।



Vinita (विनीता)

I want to live my life without depending on others.

मैं अपनी खुद की जिंदगी जीना चाहती हूँ, दूसरों पर
निर्भर नहीं रहना चाहती हूँ।



Simran (सिमरन)

I want to fly, but without anyone's support.

मैं अपनी उड़ान खुद भरना चाहती हूँ।



Afsana (अफ़साना)

I want to fulfill all my wishes.
मैं अपने अरमानों को पूरा करना चाहती हूँ।



Shivani (शिवानी)

I want to be free.
मैं आजाद रहना चाहती हूँ।



Jyoti Arya (ज्योति आर्या)

I want to create my own identity. I love photography.
मैं अपनी पहचान खुद बनाना चाहती हूँ। मुझे फोटोग्राफी बहुत
पसंद है।



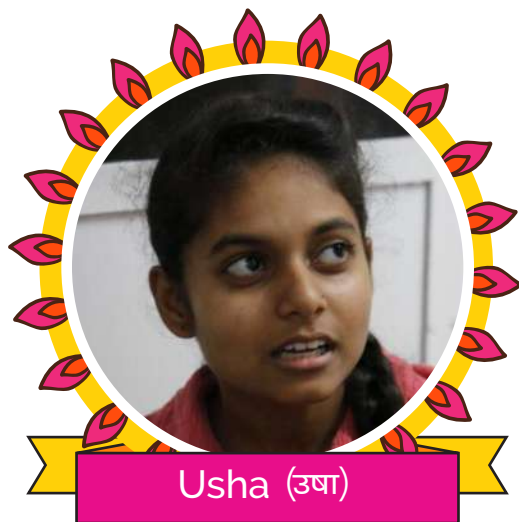
Lakshmi (लक्ष्मी)

I want to be successful in life.
मैं अपनी जिंदगी में कामयाब होना चाहती हूँ।



Uma (उमा)

I want to take my life's decisions on my own.
मैं अपनी जिंदगी के फैसले खुद लेना चाहती हूँ।



Usha (उषा)

I want to fight for my rights.
मैं अपने हक के लिए खुद लड़ना चाहती हूँ।



When I grow up I want to become a photographer.
मैं बड़े होकर फोटोग्राफर बनना चाहती हूँ।



I always want to do something new.
मैं हमेशा कुछ नया करना चाहती हूँ।



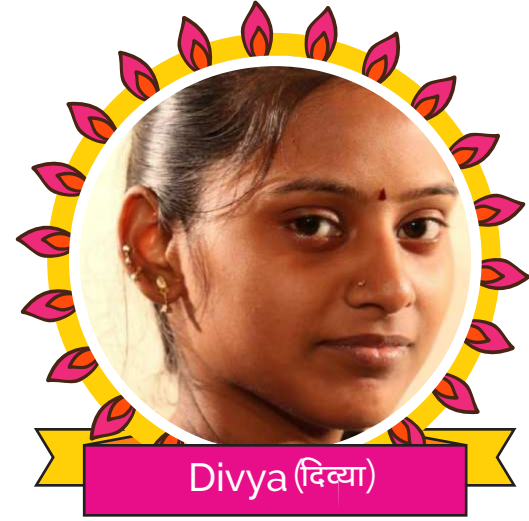
I want to raise my voice.
मैं अपनी आवाज उठाना चाहती हूँ।



I want to be successful in life.
मुझे जिंदगी में कामयाब बनना है।



My happiness comes from helping others.
मुझे दूसरों की मदद करके खुशी मिलती है।



I will raise my voice against violence.
मैं हिंसा के खिलाफ आवाज उठाऊंगी।



When I grow up, I want to be a doctor.
मुझे बड़े होकर डॉक्टर बनना है।



I want to fight for the truth.
मैं सच्चाई के लिए लड़ना चाहती हूँ।



CAMPAIGN LEADERS

रेखा • रेनू • दीपिका

Project Activities

The aim of the campaign is to highlight young girls' experiences and challenges as they negotiate their concerns with their family and community that marriage is a personal choice, since forced marriage often takes away their choice of education, livelihood and reproduction.

The girls were given extensive training in film making, photography, radio and other new media tools to provide them with a medium to communicate their message to society. They attended various workshops and lectures from renowned experts on issues related to gender discrimination, violence against women, and early and forced marriage.

Our main activities involved a three-month-long workshop, where the girls created their own body of multimedia work. For their photography project, they created photo-stories on various aspects of their lives. They also prepared a radio show on societal pressures around marriage, and a film on the issues of early and forced marriage.

परियोजना की गतिविधि

इस अभियान का लक्ष्य है कि इन किशोरियों के अनुभव और चुनौतियों को लोगों को दिखा सके। वह अपने परिवार और समुदाय को बताना चाहती हैं कि शादी उनका खुद का निर्णय है, और जबरन शादी से उनकी पढ़ने की, कमाने की और माँ बनने की इच्छा उनसे छीन ली जाती है।

लड़कियों को फिल्म मेकिंग, फोटोग्राफी, रेडियो और अन्य न्यू मीडिया उपकरणों में ट्रेनिंग दी गयी ताकि उनको दुनिया को अपनी बात संवाद करने का मध्यम मिल सके व लड़कियों ने कई कार्यशालाओं और व्याख्यान में भाग लिया जिसमें उनको जाने माने एक्सपर्ट्स ने लिंग आधारित भेदभाव, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, और जल्द और जबरन शादी जैसे मुद्दे समझाए।

जल्द और जबरन शादी प्रोजेक्ट के दौरान हमारी मुख्य गतिविधि 3 महीने की वर्कशॉप थी जहाँ लड़कियों ने कई मल्टिमीडिया उत्पाद बनाए फोटोग्राफी, वीडियो और रेडियो के मध्यम से उनके फोटोग्राफी प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने चित्र-कहानियों का प्रयोग किया। रेडियो शो के लिए उन्होंने शादी को लेकर समाज के दबाव के बारे में बात की। उन्होंने कम उमर की लड़कियों पर जल्द और जबरन शादी के प्रभाव की एक फिल्म तयार की है।

About Feminist Approach to Technology

Feminist Approach to Technology (FAT) is a not-for-profit organization that believes in empowering women by enabling them to access, use and create technology through a feminist rights-based framework. We believe and promote an outlook that questions and critiques the existing structures of technology and seeks to incorporate women as equal partners within it. FAT works towards this by breaking societal stereotypes and attitudes, encouraging and enabling women to feel capable and comfortable in working with technology, and collaborating with other women's organizations to mainstream the issue of engendering technology.

FAT was started in 2008 and primarily operates in Delhi. Last year we started a programme in Gujarat, and will soon be expanding to Jharkhand and Bihar.

फेमिनिस्ट अप्रोच टू टेक्नोलॉजी के बारे में

फेमिनिस्ट अप्रोच टू टेक्नोलॉजी एक गैर-सरकारी संस्था है जो तकनीकी शिक्षा के द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। हम एक ऐसे समाज की कल्पना करते हैं जहाँ तकनीक की संरचना और उसका इस्तेमाल लिंग (जेंडर) आधारित ना हो। हम यह भरोसा रखते हैं कि महिलाएँ भी पुरुषों के बराबर तकनीक बनाने में और इस्तेमाल करने में सफल हो सकती हैं, और महिलाएँ सशक्त हो सकती हैं अगर तकनीक और लिंग (जेंडर) के बीच में विभाजन को मिटा दिया जाए।



Media Trainer - VOW Media

voices
of women
media *asia*

Voices of Women Media is an international non-profit organization that seeks to empower women from marginalized communities by training them to use innovative media tools such as film, photography and radio in order to enable them to voice their own lives. We believe that personalizing women's individual experiences can have a long lasting effect on women's rights worldwide.

VOW Media conducts interactive and collaborative media training workshops with women and young girls from marginalized communities. Through the lens of a video camera, the stillness of a photo, and the strength of a single voice, women and young girls create multimedia self-portraits offering a glimpse into their personal life experiences.

In providing a platform for women to tell their stories, VOW Media aims to not only empower marginalized women but to make others aware of their situation. In controlling their own images of representation, participants challenge stereotypes and misrepresentation in the mainstream media.

मीडिया ट्रेनर - वाओ मीडिया

इस अभियान का लक्ष्य है कि इन किशोरियों के अनुभव और चुनौतियों को लोगों को दिखा सके । वह अपने परिवार और समुदाय को बताना चाहती हैं की शादी उनका खुद का निर्णय है, और जबरन शादी से उनकी पढ़ने की, कमाने की और माँ बनने की इच्छा उनसे छीन ली जाती है ।

लड़कियों को फिल्म मेकिंग, फोटोग्राफी, रेडियो और अन्य न्यू मीडिया उपकरणों में ट्रेनिंग दी गयी ताकि उनको दुनिया को अपनी बात संवाद करने का माध्यम मिल सके । लड़कियों ने कई कार्यशालाओं और व्याख्यान में भाग लिया जिसमे उनको जाने माने एक्सपर्ट्स ने लिंग आधारित भेदभाव, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, और जल्द और जबरन शादी जैसे मुद्दे समझाए । जल्द और जबरन शादी प्रोजेक्ट के दौरान हमारी मुख्य गतिविधि ३ महीने कि वर्कशॉप थी जहाँ लड़कियों ने कई मल्टिमीडिया उत्पाद बनाए फोटोग्राफी, वीडियो और रेडियो के माध्यम से ।

उनके फोटोग्राफी प्रोजेक्ट के लिए उन्होंने चित्र-कहानियों का प्रयोग किया । रेडियो शो के लिए उन्होंने शादी को लेकर समाज के दबाव के बारे में बात की । उन्होंने कम उमर की लड़कियों पर जल्द और जबरन शादी के प्रभाव की एक फिल्म तयार की है ।



Made possible by

American Jewish World Service

The David and Lucile Packard Foundation

National Foundation for India

Global Fund for Women

Special thanks to

Nandini Rao, Independent Gender Rights Trainer

Media Trainer, VOW Media



Feminist Approach to Technology (FAT)

134, 3rd Floor, Vinobapuri, Lajpat

Nagar 2, New Delhi 110024, India

Phone: +91-11-41004951/41320391

Email: projects@fat-net.org

Website: fat-net.org

फेमिनिस्ट अप्रोच टू टेक्नालजी (फैट)
१३४, तीसरी मंज़िल, विनोबापुरी, लाजपत
नगर २, नयी दिल्ली ११००२४, भारत
फोन : ९१-११-४१००४९५१/ ४१३२०३९१
ईमेल : projects@fat-net.org
वेबसाइट : fat-net.org

Designed By **DEVOLV** STUDIO
YOUR DIGITAL MEDIA PARTNER